वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन

अगले पांच वर्षों में प्रोटीन बार उद्योग 1000 करोड़ का हो जाएगा

नई दिल्ली, (वीअ)। चलते-चलते ताकत यानी पावर प्राप्त करना भारत में नये युग का नया मंत्र बन गया है, क्योंकि आज की पावर वर्किंग एवं पावर लाइफस्टाइल्स पावर फ्यूलस (शक्तिशाली ईंधन) की जरूरत पर जोर देती है। इस प्रयास में प्रौद्योगिकी का सहारा भी लिया जा रहा है, जबकि कॉर्पोरेट जगत और अन्य सेक्टर्स ऐसी गतिविधियों में बढ़त देख रहे हैं, जहाँ इस वृद्धि को बढ़ावा देने वाले इंजन को अनूपूरक पावर फूड्स से चलाने की जरूरत है। भारत में नैचुरेल (इंडिया) प्रा. लि. इस जरूरत की पूर्ति कर रही है, जो स्वस्थ-जीवनशैली को समर्पित एक दूरदर्शी कंपनी है, जिसने वर्ष 2006 में ओरिजिनल 'मैक्स प्रोटीन' बार्स लॉन्च किये जाने के बाद से उच्च प्रोटीन वाले चिप्स पेश किये हैं, कंपनी विभिन्न श्रेणियों में प्रोटीन-आधारित उत्पादों में नवाचार कर भारत में स्वस्थ रहन-सहन को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, एक अनुभवी उद्यमी और लंदन बिजनेस स्कूल के एशिया रीजनल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य विजय उत्तरवार कहते हैं, ''भारतका प्रोटीन बार उद्योग अभी 200 करोड़ रुपये का है, और अगले पाँच वर्षों में इसके 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावनाहै।''